हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, सोमवार, 21 जुलाई 2025

तापमान
अधिकतम 34.0 डिग्री
न्यूनतम 28.0 डिग्री

12 मुख्यमंत्री नायब सैनी क्राइम को लेकर हुए सख्त: विधायक

11 खेतों में चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

सीईटी की परीक्षा को लेकर रोडवेज विभाग ने बनाई योजना, 550 से अधिक चलेंगी बसें, शुक्रवार रात से ही शुरू कर दी जाएगी बस सेवा

डिपो से अलग-अलग रुटों के लिए करीब 550 बसों की व्यवस्था की गई

सरकार की ओर से सीईटी की परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को दी जाएगी निःशुल्क सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

परिवहन विभाग की ओर से 26 व 27 जुलाई को होने वाली कॉमन पात्रता परीक्षा सीईटी को लेकर रोडवेज विभाग ने रूटों को लेकर योजना बनाई है। कैथल के आसपास जिले से आने वाले सभी विद्यार्थियों के परीक्षा केंद्रों तक शटल बसों के संचालन की व्यवस्था बनाई गई है। ऐसे में परिवहन विभाग की ओर से नए बस स्टैंड पर अलग-अलग जिले में बनाए गए सभी केंद्रों पर जाने वाली बसों की जानकारी हेल्प डेस्क लगाकर दी जाएगी। डिपो से अलग-अलग रुटों के लिए करीब 550 बसों की व्यवस्था की जाएगी।

विभाग ने किए पूरे प्रबंधः विरेंद्र स्वामी

बस स्टैंड के यातायात प्रभारी विरेंद्र स्वामी ने बताया कि राज्य परिवहन की ओर से सीईटी-2025 परीक्षा के सफल संचालन के लिए व्यापक परिवहन योजना तैयार की गई है। विभाग की ओर से अभ्यर्थियों को नजदीकी जिला स्तरीय बस स्टैंड से परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने व वापस आने के लिए विशेष प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं, ताकि अभ्यार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने और वापस आने में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। महिला अभ्यर्थियों के साथ एक पारिवारिक सदस्य को भी निःशुल्क बस की सुविधा प्रदान की जाएगी। दिव्यांग अभ्यर्थियों को घर से ही मुफ्त यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

शुक्रवार रात से ही शुरू होगी ये बस सेवा

सरकार की ओर से सीईटी की परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को दी बसों की निशुल्क सुविधा देने की प्रक्रिया के तहत शुक्रवार रात से ही यह सेवा शुरू कर की दी जाएगी और एक महिला अभ्यार्थी के साथ जाने वाले को भी मुफ्त में सफर करवाया जाएगा। परिवहन विभाग 26 और 27 जुलाई को होने वाली सामान्य पात्रता परीक्षा की तैयारियों में जुटा है। विभाग की ओर से परीक्षार्थियों को निशुल्क बस सेवा देने का निर्णय लिया गया है। दूर से आने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा के एक दिन पहले और एक दिन बाद भी निशुल्क बस की सुविधा मिलेगी। दिव्यांग परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए घर के बाहर तक वाहन पहुंचेगा।

जिले में 33 केंद्र बनाए गए

26 और 27 जुलाई को आयोजित होने वाली सामान्य पात्रता परीक्षा के परीक्षार्थी चार चरणों में शिफ्टों देंगे। दोनों दिन सुबह व शाम की शिफ्ट में परीक्षा आयोजित की जाएगी। जिले में 33 केंद्र बनाए गए है। जहां कुल चार शिफ्टों में करीब 34 हजार अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

सीईटी परीक्षा को लेकर रोडवेज बस चालक और परिचालक के अवकाश रद्द

जींद। आगामी 26 और 27 जुलाई को प्रदेशभर में सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) आयोजित की जानी है। परीक्षा के दौरान यात्रियों को उनके परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए रोडवेज ने भी अपनी कमर कस ली है। इसी को देखते हुए जींद डिपो के चालक और परिचालकों के अवकाश रद्द कर दिए गए हैं। परीक्षा के दिन रोडवेज की ओर से परीक्षार्थियों के लिए मुफ्त यात्रा सुविधा दी जाएगी। महिला परीक्षार्थियों के साथ एक परिजन को भी निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। रोडवेज विभाग स्पेशल बसों का संचालन किया जाएगाए जिससे परीक्षार्थियों को अपने केंद्र तक पहुंचने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो। जींद डिपो में लगभग 168 रोडवेज बस हैं। जिसमें किलोमीटर स्कीम की 37 बसें शामिल हैं। जींद के अभ्यर्थियों के कैथल, हिसार और करनाल सहित अन्य जगह परीक्षा केंद्र आए हैं। जींद से कैथल और हिसार के लिए दो घंटे से ज्यादा का समय लग जाता है वहीं करनाल पहुंचने में भी लगभग तीन घंटे का समय लगता है। ऐसे में अभ्यार्थियों की सुविधा को देखते हुए रोडवेज जींद डिपो द्वार अल सुबह ही बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। जींद डिपो के डीआई जसमेर खटकड़ ने बताया कि 26 और 27 जुलाई को सीईटी की परीक्षा देने वाले अभ्यार्थियों के लिए प्राथमिकता के आधार पर रोडवेज बसों का संचालन किया जाएगा।

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में किशोर की मौत, कोहराम

कैथल। कैथल के गांव चौशाला में हुए सड़क हादसे में गांव चौशाला के 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। किशोर की पहचान गांव चौशाला के विनय के रूप में की गई है। विनय अपनी बाइक से जा रहा था। एसआई हरपाल सिंह ने बताया कि उन्हें गांव चौशाला के निकट एक सडक हादसे की सूचना मिली थी। मौके से युवा विनय का शव मिला जिसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस द्वारा आसपास के लोगों से बातचीत की गई तो ऐसा बताया जा रहा है कि वह अपनी बाइक को तेज गति से चला रहा था।

नाबालिग को रिश्तेदार के घर ले जाकर दुष्कर्म

जींद। नाबालिग लड़की को रिश्तेदार के घर ले जाकर दुष्कर्म करने पर शहर थाना पुलिस ने पीड़िता के पिता की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सदर थाना नरवाना इलाका गांव के एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी नाबालिग बेटी कार्यवश जींद आई हुई थी।

सड़क हादसे में बाइक सवार मां व बेटा घायल

जींद। गांव खरकरामजी के निकट तेजरफ्तार गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार मां-बेटा घायल हो गए। सदर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर फरार गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव गांगोली निवासी सचिन ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया कि वह अपनी मां अंग्रेजो को बाइक से लेकर गांव खरकरामजी के निकट से गुजर रहा था।

खेत से टयूब्वैल का स्टार्टर गायब

जींद। गांव बिधराना खेतों से बीती रात चोरों ने स्टार्टर को चोरी कर लिया। सदर थाना नरवाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज किया है। गांव बिधराना निवासी देवगिरी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने खेत में सोलर टयूब्वैल लगाया हुआ है। बीती रात चोरों ने टयूब्वैल से स्टार्टर को चोरी कर लिया। तलाशने तथा पूछताछ करने पर स्टार्टर का कोई सुराग नही लगा।

पैरोल आया सजायाप्ता नहीं किया सरेंडर

जींद। पैरोल अवधि समाप्त होने पर जेल वापस न लौटने पर सदर थाना पुलिस ने उम्र कैद सजाफ्यता व्यक्ति के खिलाफ गुड इमोरल एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यमुनानगर के जेल अधीक्षक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव चाबरी निवासी विकास उर्फ बिल्लू को कुरूक्षेत्र अदालत ने जनवरी 2015 के हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। विकास यमुनानगर जेल में सजा काट रहा था। गत 27 मई को विकास जेल से 41 दिन की पैरोल पर अपने घर आया था।

जींद। मीटिंग में भाग लेते यूनियन पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

सात माह से आशा वर्कर्स को नहीं मिला मानदेय

- चार अगस्त को आशा वर्कर्स करेंगी स्वास्थ्य मंत्री के आवास पर रेवाड़ी में प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

आशा वर्कर्स यूनियन हरियाणा की बैठक प्रधान नीलम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। प्रधान नीलम ने कहा कि जानकारी बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार के राज में आशा वर्करों को पिछले सात महीने से मानदेय नहीं दिया जा रहा। आशा वर्करों को 6100 रुपये मासिक मानदेय मिलता है। जिसमें एक हिस्सा केंद्र सरकार और एक हिस्सा राज्य सरकार अदा करती है और वो भी सात महीने तक नही मिलें तो इस कमर तोड़ महंगाई में आशा वर्करों के परिवार भूखमरी की कगार पर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि आशा वर्करों को मानदेय नही मिलने के कारण बच्चों के स्कूलों से नाम काटे जा रहे हैं। बिजली का बिल नहीं भरने के कारण बिजली कनेक्शन काटने की तैयारी की जा रही है। दुकानदारों ने राशन देना बंद कर दियाए जो आशा वर्कर्स किराये के मकान में रहती हैं। मकान मालिक मकान खाली करने की धमकी दे रहे हैं। रसोई से राशन गायब है। इस कारण जहां आशा वर्करों में सरकार के प्रति रोष बढ़ता जा रहा है। वहीं केंद्र व राज्य सरकार के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारे की हवा निकलती नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के सारे काम की जिम्मेदारी आशा वर्करों पर थौंपी जा रही है और आए दिन नए-नए काम आशा वर्करों को दिए जा रहे हैं। ऑनलाइन काम करने का दबाव बनाया जा रहा है। सरकार एवं विभाग काम तो लेना चाहता है लेकिन काम के दाम नहीं देना चाहता है। इसलिए चार अगस्त को हरियाणा प्रदेश में कार्यरत 18 हजार से ज्यादा आशा वर्कर्स स्वास्थ्य मंत्री के रेवाड़ी स्थित आवास पर रोष प्रदर्शन कर आवास की घेराबंदी करेंगे।

जींद का स्वास्थ्य विभाग हुआ मजबूत

जिले को मिले 18 नए चिकित्सा अधिकारी

प्रदेशभर में 137 एमओ को अपॉयमेंट लेटर जारी किए, जींद को मिले 18 नए चिकित्सा अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जिला के लोगों के लिए खुशखबरी है। जिला का स्वास्थ्य बेड़ा और मजबूत होने जा रहा है। चिकित्सकों की नई भर्ती से जींद को कुल 18 चिकित्सक मिले हैं। पहले जींद में 40 चिकित्सा अधिकारी (एमओ) काम कर रहे हैं। ऐसे में 18 एमओ और मिलने से स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होंगी। स्वास्थ्य विभाग ने नवनियुक्त एमओ को अपॉयमेंट लेटर जारी किए हैं। जिन उम्मीदवारों ने 21 अप्रैल और 28 अप्रैल को अपना बायोमेट्रिक और दस्तावेज सत्यापन पूरा कर लिया था, उन्हें नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। साथ ही दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं कि नवनियुक्त एमओ निर्धारित प्रक्रिया जैसे चिकित्सा और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के बाद चिकित्सा अधिकारी के पद पर कार्यभार ग्रहण कर सकते हैं। उनके नियुक्ति पत्र हरियाणा राज्य के सभी सिविल सर्जनों को डाक द्वारा भेजे गए हैं। प्रदेशभर में कुल 137 एमओ को अपॉयमेंट लेटर जारी किए गए हैं। जिनमें से जींद के लिए 18 एमओ है। अब यह तो वक्त ही बताएगा कि इन एमओ में से जींद में कितने ज्वायन करते हैं।

वीआईपी डयूटी तो कभी कैंप बढा देते हैं परेशानी

चिकित्सकों की कमी के कारण स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होना लाजमी है। इसके अलावा कभी वीआईपी डयूटी तो कहीं कोई स्वास्थ्य कैंप तो कभी दिव्यांग कैंप के लिए चिकित्सकों को जाना पड़ता है। जिससे अस्पताल में आने वाले मरीजों को परेशानी होती है। मरीजों व उनके तिमारदारों को पता ही नही चल पाता है कि अस्पताल में उनके उपचार से संबंधित चिकित्सक है या नही।

हर दिन हजारों की संख्या में होती है ओपीडी

नागरिक अस्पताल में ओपीडी की बात की जाए तो प्रतिदिन 1700 तक की ओपीडी होती है। सोमवार व मंगलवार को ओपीडी की संख्या 1800 से दो हजार तक पहुंच जाती है। ऐसे में सुबह होते ही चिकित्सकों के कमरे के आगे मरीजों की लाइन लग जाती हैं। रोजाना सैंकड़ों मरीज इलाज के लिए दूर-दूर के गांवों से सिविल अस्पताल पहुंचते हैं लेकिन डॉक्टरों की कमी से मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जींद में एमओ पद पर इन चिकित्सकों को जारी हुए नियुक्ति पत्र

1. डा. रूपेश कुंडू
2. डा. पूर्णिमा
3. डा. वंदना
4. डा. आरती
5. डा. सुधीर
6. डा. अभिषेक
7. डा. नवीन पंवार
8. डा. सौरभ
9. डा. अभिनव रमन
10. डा. वैभव सिंह
11. डा. ऊषा
12. डा. चमन वर्मा
13. डा. अंजली
14. डा. दया सिंह
15. डा. पूजा कादियान
16. डा. परमवीर राठी
17. डा. अनिरूद्ध
18. डा. अरूण शर्मा

चिकित्सकों की कमी के बावजूद बेहतरीन सुविधाएं दे रहेः डा. सुमन

सिविल सर्जन डा. सुमन कोहली ने बताया कि जिला को 18 चिकित्सक (एमओ) मिले हैं। इस समय विशेषज्ञों व चिकित्सकों की कमी के बावजूद भी जितनी सुविधाएं उपलब्ध हैं, उनके माध्यम से चिकित्सकों द्वारा अस्पताल में उपचार की बेहतर सुविधाएं देने का प्रयास किया जाता है। नए चिकित्सकों के ज्वायन करने से स्वास्थ्य सुविधाएं और बेहतर होंगी।

निर्माण से लेकर अबतक नही हुई अस्पताल में चिकित्सकों की कमी पूरी

जिला मुख्यालय पर 1975 में नागरिक अस्पताल की शुरूआत हुई थी। उस समय से लेकर आजतक जिले में चिकित्सकों की कमी कभी भी दूर नहीं हुई। जींद अस्पताल की बात की जाए तो यहां 55 चिकित्सकों की आवश्यकता है। वहीं जिला में 222 चिकित्सकों के पद स्वीकृत हैं। जबकि सौ से अधिक पद रिक्त हैं। ऐसे में 18 एमओ और मिलने से चिकित्सकों की कमी काफी हद तक दूर होगी। इसके अलावा एक पीएमओ, पांच एसएमओ लेवल के अधिकारी कार्यरत हैं।

200 बैड का अस्पताल, स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की कमी

जिला मुख्यालय पर 200 बैड का अस्पताल बना हुआ है। वहीं, सफीदों, नरवाना तथा उचाना सब डिविजन पर 100-100 बैड के अस्पताल हैं। उधर, जुलाना, पिल्लूखेडा, अलेवा, उझाना समेत आठ स्थानों पर सीएचसी बनाई गई है। वहीं जिले में 26 पीएचसी बनाई गई हैं और 185 हैल्थ सैंटर बनाए गए है। जिन पर लोगों को नजदीक स्वास्थय सेवा उपलब्ध करवाने का जिम्मा है। स्पेशलिस्ट चिकित्सकों व अन्य की कमी को लेकर स्वतः अंदाजा लगाया जा सकता है कि बिना चिकित्सकों के मरीजों को कैसे स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें।

16 साल से रेडियोलॉजिस्ट का पद खाली

नागरिक अस्पताल में पिछले 16 साल से किसी भी रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति नहीं हुई है। बिना रेडियोलॉजिस्ट के कारण जिले के लोगों को निजी अस्पतालों में महंगी फीस पर अल्ट्रासाउंड करवाने पड़ रहे हैं।

57 लाख रुपये से बनेंगी गलियां

- नरवाना में विकास कार्यों की नही रहने दी जाएगी कमी : बेदी

हरिभूमि न्यूज ⏭नरवाना

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र नरवाना के वार्ड नम्बर 8 और 4 की लगभग 57 लाख रूपये की लागत से बनने वाली गली का शिलान्यास एवं उद्धघाटन किया। उन्होंने कहा कि साफ सुथरी गली या सड़क से क्षेत्र की उन्नती का अंदाजा लगाया जा सकता है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि नरवाना में विकास कार्यों की अभी शुरूआत हुई है। आने वाले समय में विकास के सुखद परिणाम और जन साधारण को मिल रहा फायदा धरातल पर नजर आएगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि विकास के मामले में नरवाना प्रदेश के अग्रणी क्षेत्रों में शामिल होगा। कहा कि सकारात्मक सोच वाले व्यक्तियों को ही विकास नजर आ रहा है।

नरवाना। विकास कार्यों का उद्घाटन करते हुए मंत्री बेदी। फोटो: हरिभूमि

वुडस्टॉक स्कूल में विज्ञान सेमिनार आयोजित

- लाइव डेमोस्ट्रेशन के माध्यम से विद्यार्थियों को वैज्ञानिक अवधारणाओं से कराया अवगत

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

वुडस्टॉक स्कूल में रविवार को विज्ञान विषय पर शिक्षकों द्वारा विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसकी शुरुआत स्कूल के निदेशक डा. नरेंद्र नाथ शर्मा और प्राचार्या सुकीर्ति गौतम ने सरस्वती मां के सामने दीप प्रज्जवलित करके की। सेमिनार में विज्ञान विषय की गहराई को सरल भाषा में समझाने के लिए शिक्षकों संजू रसायन से, कोमल विज्ञान से, देवाकर भौतिकी, रामबाग जीव विज्ञान से ने विभिन्न गतिविधियों, प्रेजेंटेशन और लाइव डेमोस्ट्रेशन के माध्यम से विद्यार्थियों को वैज्ञानिक अवधारणाओं से परिचित कराया। इस सेमिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों में जिज्ञासा को बढ़ाना, विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना तथा उनके प्रश्नों का समाधान देना था। विद्यालय के विज्ञान शिक्षकों ने दैनिक जीवन से जुड़ी वैज्ञानिक घटनाओं को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत कर विषय को और अधिक रोचक बना दिया। विद्यालय के निदेशक डा. नरेंद्र नाथ शर्मा और उपनिदेशक आशुतोष शर्मा ने शिक्षकों के इस प्रयास की सराहना की।

जींद। विज्ञान तकनीक के गुर सीखते हुए बच्चे। फोटो: हरिभूमि

आज सावन माह का दूसरा सोमवार

कैथल। आज सावन माह का दूसरा सोमवार रहेगा। दूसरे सोमवार के उपलक्ष्य में शहर भर के शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटेगी। ऐसे में लोग विशेष रूप से शिव मंदिरों में पहुंचकर जलाभिषेक, दूध, दही, शहद, गंगाजल, और बेलपत्र अर्पित कर शिवलिंग की पूजा करते हैं। सावन के सोमवार में शिवपुराण का पाठ, रुद्राभिषेक, और महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया जाता है। इस दौरान श्रद्धालु व्रत रखते हैं और दिनभर फलाहार करते हैं। इसी कड़ी में शहर के ऐतिहासिक श्री ग्यारह रुद्री शिव मंदिर में काफी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटेगी।

सोमवार का दिन होता है भगवान शिव को समर्पित

उचाना। प्रभु दयाल चौधरी धर्मशाला के प्राचीन राधा कृष्ण मंदिर पुजारी पं. भारतेंदू शांडिल्य ने सावन माह को लेकर कहा कि सनातन धर्म में भगवान शिव के अनगिनत भक्त हैं। हर भक्त, भस्म रमैया भगवान भोलेनाथ की कृपा पाने के लिए विधिविधान से उनकी पूजा आराधना और मंत्र का जाप करते हैं। भगवान शिव को सोमवार का दिन समर्पित है। इस दिन शिवलिंग का कच्चे दूध से अभिषेक करने का विशेष महत्व बताया गया है। ऐसा कहा जाता है कि इस दौरान रुद्राक्ष की माला से 108 बार ओम नमरू शिवाय मंत्र का जाप करना बेहद लाभकारी माना गया है। तीन शब्दों का यह मंत्र बहुत शक्तिशाली और चमत्कारी माना जाता है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव का यह मंत्र हमेशा किसी तीर्थ स्थल, मंदिर या फिर एकांत जगह में बैठकर करना चाहिए। ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप रुद्राक्ष की माला से ही करना चाहिए। इस मंत्र का जाप कम से कम 108 बार नियमित रूप से करना फलदायी माना जाता है। महामंत्र का जाप योग मुद्रा में बैठकर पूर्व या उत्तर दिशा की तरफ मुख करके करना चाहिए।

दिनभर कांवड़ गुजरने का सिलसिला जारी, बजते रहे डीजे

इस बार सावन शिवरात्रि पर्व पर भद्रवास का दुर्लभ संयोग

- भद्रवास योग में शिव-पार्वती की पूजा करने से कई गुणा अधिक फल की प्राप्ति होती है : नवीन शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

सावन माह की शिवरात्रि 23 जुलाई बुधवार को है और शिवरात्रि का शिवभक्तों में विशेष महत्व है। शिवभक्त द्वारा हरिद्वार से कावड़ लेकर आने का सिलसिला शुरू हो चुका है। शिवभक्त हरिद्वार से गंगा जल लाकर सावन शिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। पूरा दिन कावडियों का शहर से आवागमन रहता है। कावडियों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन द्वारा पुख्ता प्रबंध किए गए हैं।

जींद। कावड़ लेकर गुजरते हुए कावडिये। फोटो: हरिभूमि

भद्रा के बावजूद सर्वार्थ सिद्धि, गजकेसरी, नवपंचम योग

जयंति देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि इस बार सावन शिवरात्रि पर सर्वार्थ सिद्धि, गजकेसरी, नवपंचम जैसे कई राजयोगों का निर्माण हो रहा है। सावन शिवरात्रि पर भद्रा का समय प्रातः पांच बजकर 37 मिनट से दोपहर तीन बजकर 31 मिनट तक रहेगा। ऐसे में श्रद्धालु शिवरात्रि पर ब्रह्म मुहूर्त में भगवान शिव का जलाभिषेक कर सकते हैं। ब्रह्म मुहूर्त प्रातः चार बजकर 15 मिनट से प्रातः चार बजकर 56 मिनट तक रहेगा।

सड़कों पर दिनभर गूंजे भोलेनाथ के उद्घोष

शुक्रवार को दिनभर शहर से कावड गुजरने का दौर जारी रहा। शहर में जगह-जगह कावडियों के ठहरने का प्रबंध किया गया। कावडियों की सेवा में दिनभर श्रद्धालु लगे रह रहे हैं। सावन माह के दूसरे सोमवार को भी मंदिर परिसर में रूद्राभिषेक का आयोजन किया जाएगा।

श्रद्धालु इस तरह करें भगवान शिव का व्रत

जयंति देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि सुबह जल्दी उठ कर स्नान आदि से निवितृ होकर साफ.-सुथरे कपड़े पहने। मंदिर की साफ.-सफाई करें और गंगाजल का छिड़काव करें। एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछा कर भगवान शिव और पार्वती माता की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। गंगाजल और शुद्ध जल से शिवलिंग का अभिषेक करें। भगवान शिव को खीर, फल, हलवे आदि का भोग लगाएं। माता पार्वती को 16 श्रृंगार की सामग्री अर्पित करें।

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

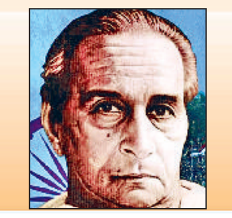

आज अजब इत्तेफाक है कि पिता दिवस है और तीन छुट्टियां एक साथ ...कि भीतर अजीब सी कैफियत है। डिग्री को जी भर के देख रही हूं कि आज बाबा होते तो कितने राजी होते कि मेरी बुलेरी ने सब पढ़ लिया है। उन दिनों तो खैर नहीं पता था कि बुलेरी उनके लिए कितना बड़ा अभिमान थी। हां.. यही नाम दिया था उन्होंने मुझे। बहुत छोटी थी तो बुल्ला कहते थे। बाद में दसवीं पास करते-करते बुल्ला से बुलेरी हो गई। आज सोचती हूं कि क्या बाबा को बाबा बुल्ले शाह की फकीरी का पता था?

कहानी

डॉ. मनुहार शर्मा

बाबा की बुलेरी

जरा अलमारी को करीने से करने क्या बैठी कि यादों के दराज में सेंधमारी ही हो गई। अलमारी के दराज में एक से एक पुरानी, नयी चीजें ...कागज-पत्र, माला, गहने ...एक पूरा कबाड़खाना ही कह लो। किसी चीज में कोई तरतीब नहीं... लेकिन चीजों को देखते हुए एक सुकून सा मिल रहा है। जिंदगी इतनी तेजी से दौड़ी कि हांफना भी भूल गई। सुकून तो दूर की कौड़ी... घर गृहस्थी और नौकरी दोनों के बीच तवाजुन किसी सर्कस की नटनी से तो रत्तीभर भी कम नहीं... बस भागते-भागते खाओ, भागते-भागते सब कुछ... इंश्योरेंस की रसीद या कोई भी कागज ...यहां तक कि पीएच.डी की डिग्री भी... कन्वोकेशन के बाद रात को लौटे थे... जी भरके देखा भी नहीं ....कि दराज में रख दी ।

सुबह उठकर भाग गए अपनी-अपनी नौकरी पर। आज अजब इत्तेफाक है कि पिता दिवस है और तीन छुट्टियां एक साथ ...कि भीतर अजीब सी कैफियत है। डिग्री को जीभर के देख रही हूं कि आज बाबा होते तो कितने राजी होते कि मेरी बुलेरी ने सब पढ़ लिया है। उन दिनों तो खैर नहीं पता था कि बुलेरी उनके लिए कितना बड़ा अभिमान थी। हां.. यही नाम दिया था उन्होंने मुझे। बहुत छोटी थी तो बुल्ला कहते थे। बाद में दसवीं पास करते-करते बुल्ला से बुलेरी हो गई। आज सोचती हूं कि क्या बाबा को बाबा बुल्ले शाह की फकीरी का पता था? वह बहुत ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं थे। सो बुल्ले शाह के बारे में तो क्या ही जानते होंगे ,लेकिन वह उर्दू पढ़ना लिखना जानते थे। ...तो हो सकता है बाबा बुल्ले शाह के बारे में जानते हो और उनकी रूबाइयों और अलमस्त फकीरी से प्रभावित होकर मुझे नाम दिया हो बुलेरी। हालांकि उन दिनों जब उनकी देखा-देखी मुझे स्कूल में मेरी सहेलियां बुलेरी बुलाती तो मैं चिढ़ती थी ...कि नाम खराब कर रही हैं। एक बार तो बाबा फीस भरने आए तो हेड मास्टर के दफ्तर में जाकर बोले जी हमारी बुलेरी की फीस भरनी है। मास्टर जी तुरंत समझ गए लेकिन मैंने मां से उनको खूब डांट पड़वाई ...कि बच्ची का नाम लेकर नहीं बोल सकते ? वे ही... ही ...करके खिसियाते रहे। तब मुझे कहां पता था कि मैं उनकी बुलेरी ही हूं। आज कॉलेज और विश्वविद्यालय के दुनिया भर के कार्यक्रमों, बैनर, पोस्टर और निमंत्रण पत्रों पर बड़ी-बड़ी डिग्रियों के साथ मेरा नाम लिखा रहता है। विभाग अध्यक्ष की नेम प्लेट कमरे के बाहर लगी है , लेकिन बुलेरी कौन कहे? बुलेरी के लिए तो जैसे तरस ही गई हूं। मेरा बाबा के साथ एक अलग ही राब्ता रहा। घर में सबसे छोटी थी शायद इसीलिए ...या नहीं जानती क्यों ....उन्हें इतना भरोसा था मुझ पर ....कि कचेहरी से आते तो गली के नुक्कड़ से आवाज लगाते... बुलेरी ....। मैं स्कूल से आकर खाना खा रही होती और यह भी अजब इत्तेफाक कि आधा खा चुकी होती। बीच में उठती... उन्हें पानी देती ...वे थके होते उनके बगल से कागज पत्रों का थैला लेती... और कभी-कभी कैश भी होता... खूब सारे रुपए लेकर ...उनकी लकड़ी की अलमारी में रखती। उन्हें पानी देती फिर खाने बैठती... लेकिन वे चुप कहां बैठते? बुलेरी ...बुलेरी ...पुकारते रहते। बस जल्दी से खाना निबटाती। उन्हें गाय के दूध की छाछ, पुदीना डालकर पीनी होती... हालांकि मम्मी ने, बड़ी दीदी ने कई बार कोशिश की ... बाद में भाभी ने भी कोशिश की... कि मैं खा रही हूं तो वह उन्हें पानी... छाछ दे दें.... लेकिन उनकी रसाई बैठती ही नहीं। वह नुक्स निकालते ...,पानी ज्यादा ठंडा है ...पुदीना कम है छाछ में ....गिलास साफ नहीं है... और मम्मी को छोह आ जाता ...कहती ...यह तो चली जाएगी साल.. दो साल में ...फिर कौन देगा छाछ ? बहु से ही काम चलेगा ...इसलिए अभी से आदत डाल लो। सुनकर वे भावुक को जाते। तुरंत उनकी आंखें नम और नाक पौंछते रहते। अभी तो मेरी बेटी बहुत पढ़ेगी। जितनी भी क्लासें होती हैं... सब पढ़ेगी ...फिर बाद में भी इससे पूछूंगा कि शादी करवाएगी भी या नहीं। आज पीएच.डी की डिग्री को देख रही हूं तो याद आता है कि यदि वे होते तो आज फिर उनकी आंखें भीगती और नाक पौंछकर ,ऊपर देखकर कहते ....मेरी बुलेरी हमारे शहर में सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की हो गई है। एक दिन वे जाते-जाते बोलकर गए... बुल्ला बेटा! ...गाय की बछिया खुली घूम रही है और कपड़े तार पर सूख रहे हैं ...उतार कर रख देना या फिर बछिया को बांध देना। मैंने सुना अच्छे से लेकिन छुट्टी वाले दिन कोई एक काम थोड़े ही होता है ..जहां भी.. जिस भी कमरे में जाओ वहीं कोई ना कोई काम मेरा इंतजार कर रहा होता। भूल गई और आधे घंटे के बाद जब बाहर निकली तो बछिया उनके कुर्ते की लटकती बाजू को बड़े आराम से चबा रही थी। उस दिन खूब अफसोस हुआ कि बाबा को क्या जवाब दूंगी ? उस दिन खाना भी नहीं खाया गया ठीक से। दो बजे के बाद तो बस छिप ही गई ...कि सांस रोक कर सुनने लगी कि कब आएगी आवाज ....बुलेरीईईईईई.. ...लेकिन गनीमत कि कोई और शहर के दो आदमी उनके साथ थे ...एक मैनेजर थे ...बैंक के और दूसरे कोई स्कूल अध्यापक थे। जब पानी लेकर गई तो मेरी ही चर्चा थी कि मेरी बेटी इस साल बी.ए. कर देगी। इसको अगले साल किसी बड़े कॉलेज में दाखिला करवाऊंगा। जाने कितनी ही बातें हैं कि क्या-क्या याद करूं। उनके मुंह में दांत बहुत कम बचे थे। ज्यादातर दलिया, खिचड़ी या केला, पपीता खाकर पेट भर लेते थे। हम छुट्टी के दिन बाहर धूप में मूंगफली या चने खाते तो उनका मन करता। मैं चने या मूंगफली को अपने मुंह में आधे चबाकर उनके हाथ पर रख देती और वह बड़े मजे से खा लेते।

बी.ए. का रिजल्ट आया तो जैसे उन्होंने पूरे शहर को सिर पर उठा लिया... क्योंकि उनकी गुलेरी बी.ए. पास जो हो गई थी। विश्वविद्यालय में दाखिला करवाने खुद गए। फीस जमा कर दी। हॉस्टल की भी फीस भर दी। उन दिनों हमारे विभाग की अध्यक्ष एक सीनियर प्रोफेसर थी जो रिटायरमेंट के नजदीक थी। उनसे मिले ...हॉस्टल में खाना कैसा होता है? क्लास कहाँ-कहाँ लगती हैं ? तमाम बातों का जायज़ा लिया और चलने के लिए उठे तो दोनों हाथ जोड़कर ..उन सीनियर प्रोफेसर के सामने अवरुद्ध गले से बोले ....हमारी बुलेरी का ध्यान रखना जी...यह कभी बाहर नहीं रही। वह दृश्य आज भी मेरी आंखों में जब तब साकार हो जाता है कि ...एक पिता... बेटी का पिता ...किसी याचक सा... दीन होता है। क्योंकि वह अपनी बेटी से प्रेम करता है। सीनियर प्रोफेसर उनकी सरलता को देखकर स्वयं भी रोने लगी और रोते-रोते कहा ...आज से चालीस साल पहले... मेरे बाबा भी मुझे... ऐसे ही... किसी प्रोफेसर के पास छोड़कर गए थे। तब वे भी इतने ही भावुक और चिंतित थे। आप फिक्र ना करें। यह मेरी भी बेटी है और तब के बाद ...उन मैडम ने मुझे बुलेरी ही कहा।

एम.ए. करते ही मुझे शिक्षा विभाग में नौकरी मिल गई तो वे खूब प्रसन्न हुए। हमारी ही लिस्ट में निखिल को भी जॉइनिंग मिली थी। मैंने इसी साल पत्राचार से एम.फिल. में प्रवेश लिया और साल भर में एम.फिल पूरी की। सुनकर वे खूब खुश हुए और कहा ...बेटा! तू सारी क्लासें पूरी कर दे। कोई क्लास मत छोड़ना। तू हमारे परिवार की सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की है। उधर निखिल की पीएच.डी पूरी हुई लेकिन सालभर बाद मुझे मैटरनिटी लीव लेनी पड़ी और पहली डिलीवरी के बाद मैं आराध्या को लेकर घर गई तो वे काफी भावुक हुए। कचेहरी जाना अब छोड़ दिया था। पेड़ -पौधों की साज- संभाल कर लेते और ज्यादा समय घर पर ही रहते। हॉस्टल में सर्दियों की शुरुआत में ही गाजरपाक का लोहे का पीपा, लेकर पहुंच गए कि मेरी बेटी खाएगी। हालांकि पीपा व गाजरपाक का प्रयोग इतना सफल हुआ था कि बाकी लड़कियां बाद में कई दिनों तक पूछती रही थी कि तेरा पीपा खत्म हो गया या पापा जी फिर कब आएंगे?

मैंने सुना अच्छे से लेकिन छुट्टी वाले दिन कोई एक काम थोड़े ही होता है ..जहां भी.. जिस भी कमरे में जाओ, वहीं कोई ना कोई काम मेरा इंतजार कर रहा होता। भूल गई और आधे घंटे के बाद जब बाहर निकली तो बछिया उनके कुर्ते की लटकती बाजू को बड़े आराम से चबा रही थी। उस दिन खूब अफसोस हुआ कि बाबा को क्या जवाब दूंगी? उस दिन खाना भी नहीं खाया गया ठीक से। दो बजे के बाद तो बस छिप ही गई ...कि सांस रोक कर सुनने लगी कि कब आएगी आवाज ....बुलेरीईईईईई..

उनकी उम्र काफी हो गई थी लेकिन समय पर नहाना-धोना, घूमना-फिरना, डायरी लिखना... अपने ज्यादातर काम अपने आप करना उनका शगल था। एक रात वे खाना खाकर आराम से सोए। रात को बिजली नहीं थी। वे शायद पानी पीने उठे होंगे। वे उठे तो अंधेरे में सामने रखी कुर्सी में उलझ कर गिर पड़े। पैर में फ्रैक्चर हुआ तथा रीढ़ की कोई नस ब्लॉक हो गई। तीन-चार दिन बाद ही पूरा शरीर सुन्न हो गया। वे बस देखते रहते ...ना बोल पाते ...ना हिल डुल पाते... डॉक्टर ने खूब कोशिश की ...कहा ऑपरेशन होगा ठीक हो जाएंगे। मुझे याद है आज भी ...वे ऑपरेशन के लिए दिल्ली जा रहे थे.. तो गाड़ी मेरे कॉलेज की तरफ से ही निकली गई। चपरासी ने बताया तो मैं क्लास में थी... जल्दी से बाहर भागी तो उनकी कार गेट के आगे ही दूसरी तरफ खड़ी थी। वे पिछली सीट पर लेटे थे। खूब कमजोर हो गए थे । बोल नहीं पा रहे थे। आंखों से आंसू बह रहे थे। मैं उनसे लिपटकर स्वयं को रोक नहीं पायी... सारे बांध तोड़कर ...खूब तबीयत से रोयी...फिर अचानक सोचा यह क्या कर रही हूं ? इससे तो उनको तकलीफ ही दे रही हूं। कहा ...बाबा! डॉक्टर से बात हुई है ...ठीक हो जाओगे... चिंता नहीं करनी है। उनका बायां हाथ बार-बार हिल रहा था ...जैसे उठाकर कुछ कहने की कोशिश में हों। भाई और ड्राइवर पानी-वानी लेने गए थे तो मैंने देखा हाथ में एक कागज का पुर्जा दबा है। पुर्जा हाथ से निकाल कर पढ़ा तो लिखा था.... तू जमीन जायदाद और रुपये पैसे में चौथे नंबर की... बराबर की हकदार है ...तेरी मर्जी के बिना तेरा हक कोई नहीं ले सकता... बिना झिझक मांग लेना। सबसे बड़ी क्लास पास करना। पढ़ती रहना। दुखी मत होना। अब शायद ही लौट कर आऊंगा। आखिरी पंक्ति पढ़कर रुका नहीं गया ...उनकी छाती पर गिरकर... खूब रोई। पीएच.डी की डिग्री वाले पॉलिथीन में ही वह पुर्जा भी रखा है... पर मैला हो गया है ...लेकिन अक्षर ज्यों के त्यों हैं। बाद में पता चला था कि उन दिनों बैंक मैनेजर और वकील के पास जाकर अपनी सारी संपत्ति को दोनों भाइयों और हम दोनों बहनों में बांट आए हैं। मैनेजर उनके दोस्त भी थे। मेरे लिए यह पुर्जा उनसे ही लिखवाया था। बाबा आज इस दुनिया में नहीं है। उनकी बुलेरी विश्वविद्यालय में सीनियर प्रोफेसर है। उसका नाम है। शोहरत है। करीब दस दिन बाद पता चला था कि ऑपरेशन सफल नहीं हुआ। वे नहीं रहे। हमारे यहां रिवाज है कि बाप के अंतिम संस्कार में बेटी शरीक नहीं हो सकती। क्यों नहीं हो सकती...? यह मैं नहीं जानती... लेकिन अगले ही पल सोचती हूं कि क्या हमारे यहां बाप की जायदाद में से बेटी को हक बराबर का मिलता है नहीं ?... लेकिन मुझे तो मिला है ...याद करके वह पुर्जा मेरी आंखों के सामने घूम गया। निखिल गाड़ी निकाल रहा है। उदास मन से मैंने तुरंत कहा, निखिल मैं भी चल रही हूं अंतिम दर्शनों के लिए। घर के पीछे ही खेत में उनकी चिता बनाई गई है। हमारा पूरा परिवार..शहर के मौजिज लोग ...उनकी चिता को घेर कर खड़े हैं। वहां महिला कोई नहीं है। मैं और निखिल दोनों धीरे-धीरे ...भारी कदमों से घर के मुख्य द्वार से पिता की चिता की तरफ बढ़ रहे हैं ...मुख्य द्वार से निकलते हुए उसी गैलरी को पार कर रही हूं ...जहां से रात को तीन बजे बाबा ने निखिल के साथ विदा किया था। बाबा फूट-फूट कर रोए थे उस दिन और हमारा कुत्ता झबरू ने मेरा रास्ता रोक लिया था कि नहीं जाने दूंगा। हमारे घर की औरतों ने तो वह गीत भी शुरू कर दिया था... जिसे सुनकर दुनिया का कोई भी बाप बिना रोए रह ही नहीं सकता कि... 'मेरी गुड़िया भुल्ली हो ...बाबुल तेरे आळे म्हं... स्मृति में एक घटना किसी चलचित्र की तरह घूम रही है ...सामने ही बाबा की चिता है। चाचा- ताया ...परिवार के बुजुर्ग विस्मय से देख रहे हैं। मैनेजर अंकल ने सब को रोकते हुए ...मुझे अंक में भर लिया है और सफेद चादर में लिप्त.. चिता के पास ले गए हैं.. उन्होंने धीरे से मुंह से कपड़ा हटा दिया है... बाबा शांत लेटे हैं... जैसे सो रहे हैं। लगता है कि वह अभी कहेंगे बुलेरी... खूब पढ़ना ...सब क्लासें पास कर लेना ...तू हमारे परिवार की सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की है। सोचकर मैंने अपनी पीएचडी की डिग्री को आंखों से लगा लिया है और मन में ही अपने बाबा से आशीर्वाद लिया है..।

कविता | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

वीरों का गौरव गान

ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई , आपस में सब भाई भाई
भगतसिंह को फांसी लाई, हुआ आजादी ऐलान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

तुम नमन करो मर्दानों को, उन आजादी के दीवानों को
अमर शहीद बलिदानों को, यहां फिर भेजो भगवान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

करी पर्वत कैसी आड़ तुम्हे, अंग्रेज दिये थे काढ़ तुम्हें
ये भूमि करती लाड तुम्हें, और जयहिंद करे जहान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

जब तक चांद और तारा है, रोशन नाम तुम्हारा है
कहे महेंद्र सिंह प्यारा है, हम सब को हिन्दुस्तान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

कविता | पंकजोम प्रेम

यार पुराना छोड़ दिया

उसने भी रिश्ता दिल से निभाना छोड़ दिया है
सो मैंने भी वो यार पुराना छोड़ दिया है

अब मैं भी राहों में उस से हंस कर मिलता हूं
और उसने भी नज़रों को बचाना छोड़ दिया है

अब अपना दुःख किसी आगे ज़ाहिर नहीं करता
अब मैंने अपना तमाशा बनाना छोड़ दिया है

देख के मेरा फूलों का यूं बढ़ता कारोबार
दुश्मनों ने भी हथियार बनाना छोड़ दिया है

क्यूँ रुसवा बैठी है घर पर इक इक पनिहारी
क्यूँ प्यासों ने पनघट पे आना छोड़ दिया है

तुम भी मत किया करो मुझ से यूं घुमा के बातें
मैंने भी तो ये खेल दिखाना छोड़ दिया है

दोहे | नरेश शांडिल्य

अध्यात्म

उतना पाया पार मैं, जितना पाया डूब।
ख़ूब जिया मैं ज़िन्दगी, पिया ज़हर जब ख़ूब।।

जो कहता मैं जानता, वो निकला अनजान।
जो कहता अनजान हूँ, वही सका कुछ जान।।

ख़ुद को रोता देखकर, सखी हँसा मैं ख़ूब।
ख़ुद ही ख़ुद मैं तर गया, ख़ुद ही ख़ुद में डूब।।

ख़ुद से गहरा औ' बड़ा, लगा न और सवाल।
टाले लाख वबाल पर, ख़ुद को सका न टाल।।

ख़ुद में ही जब है ख़ुदा, यहां-वहां क्यों जाय।
अपनी पत्तल छोड़कर, तू जूठन क्यों खाय।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हास्य-व्यंग्य से हरियाणवी जीवन, संस्कृति और सामाजिक मुद्दों पर दी समाज को नई दिशा देने वाले वरिष्ठ रचनाकार एवं कवि ओम प्रकाश चौहान का आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौतियों को लेकर मानना है कि पिछले कुछ वर्षों से मानवीय जीवन मूल्यों में बदलाव हुए हैं और गिरावट भी आई है, इसलिए इस बदलते परिवेश में साहित्यिक साधना या सुरुचिपूर्ण जीवनशैली प्रभावित हुई है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

साहित्य संवर्धन में नैतिकता और आध्यात्म भी अहम: ओपी चौहान

साहित्य जगत में लेखक एवं साहित्यकार विभिन्न विधाओं में सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर साहित्य संवर्धन करके समाज को सकारात्मक संदेश देते आ रहे हैं। ऐसे ही हिंदी एवं हरियाणवी भाषा के मूर्धन्य विद्वान एवं प्रबुद्ध साहित्यकार ओम प्रकाश चौहान ने विभिन्न विधाओं में साहित्य सृजन करते हुए समाज में बाल मनुहार से बुजुर्गों तक के मन को छूते हुए हरियाणा के ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय-साहित्यिक-क्षितिज को अपने साहित्यिक सेवा से आलोकित किया है।

गद्य और पद्य दोनों प्रारूपों मे उन्होंने काव्य के विविध रूपों यथा-यात्रा-वृत्तान्त, जीवनी, हास्य-व्यंग्य, पुस्तक-समीक्षा, तथा रिपोर्ताज आदि साहित्यिक विधाओं पर लेखन में एक हास्य कलाकार और बहुमुखी साहित्यिक प्रतिभा के रूप में पहचान बनाई है। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान ओ.पी. चौहान ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कई ऐसे अनुछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें सामाजिक सरोकारों के मुद्दों के साथ नैतिकता और आध्यात्मिकता भी साहित्य संवर्धन में महत्वपूर्ण है, ताकि भारतीय संस्कृति को जीवंत रखा जा सके। हास्य कवि ओम प्रकाश चौहान का जन्म 6 मार्च, 1954 को हिसार जिले के गांव मोठ करनैल में जुगलाल चौहान और मिसरी देवी के घर में हुआ था। आर्थिक दृष्टि से निर्धन होते हुए भी उनका पारिवारिक परिवेश सुसंस्कारी एवं संवेदनशील रहा। उनके माता-पिता धार्मिक प्रवृत्ति के सद्गृहस्थ थे, इसी का ही परिणाम है कि उदात्त मानवीय गुण आए, जो उन्हें साहित्य पढ़ने और रचने की अभिरुचि की ओर अग्रसर करते चले गए। दूसरी तरफ उनके पिता महाकवि सूरदास, संत कबीर दास, संत शिरोमणि रविदास आदि की वाणियां सुनते सुनाते थे, तो इसके प्रभाव के कारण बचपन में ही उन्हें लेखन करने की प्रेरणा मिलने लगी।

राजपूत लखेरा समाज से संबंध रखने वाले ओम प्रकाश चौहान का बचपन भले ही निर्धनता भरे माहौल में गुजरा हो, लेकिन उनके पिता का अपने परिवार के प्रति समर्पण सदैव सुखद रहा है। जुलाना कस्बे में पले-बढ़े-पढ़े और प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय जुलाना मंडी जींद में हुई। उन्होंने दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद प्रभाकर और ओ.टी. की परीक्षा पास की। उसके बाद वह जींद में जुलाना के संस्कृत महाविद्यालय में प्रभाकर की शिक्षा देने लगे। सनातन धर्म उच्च विद्यालय जींद में हिंदी अध्यापक के पद पर करीब 12 वर्ष तक कार्य किया। इसके बाद उन्होंने पारिवारिक परिस्थितियों के कारण सरकारी सेवा में आने का निर्णय लिया और वह नवम्बर 1991 में सरकारी सेवा में आ गये। उन्होंने आरंभ में अनेक हरियाणवी भजन लिखे, जो कीर्तन के रूप में स्थानीय लोगों द्वारा गाए जाने लगे। व्याकरण सम्मत परिमार्जित भाषा के अध्ययन के कारण इन्हें हिन्दी लेखन अधिक रुचिकर लगने लगा और उन्होंने हिन्दी में अपनी प्रथम कहानी 'दूसरा पत्र' लिखी, जिसे पाठकों ने खूब सराहा। बकौल ओपी चौहान, उन्होंने अपने साहित्य सृजन में गद्य और पद्य दोनों प्रारूप को समान स्थान दिया। गद्य विधा में उन्होंने निबंध, लघुकथाएं, कहानियां, यात्रा कृतांत और विनोद वार्त्ताएँ लिखीं, तो वहीं पद्य में कविता, गजल, दोहे, रागनियां और भजन लिखे हैं। साल 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद उनके भीतर अलग तरह की प्रेरणा समा गई थी। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हिन्दी में देशभक्तिपूर्ण रचनाएं लिखना आरम्भ किया। उनकी साहित्यिक साधना में आत्मानंद की अनुभूति, कर्त्तव्यपरायणता का जज्बा, राष्ट्रीय चेतना और पूर्वजों द्वारा धर्मपरायणता की सिद्धि मूल में रही हैं। इसलिए वह निराशा के पलों में भी प्रफुल्लित रहते हुए अपनी कविताओं में रस, छंद, अलंकार, शब्दशक्ति, शब्दरीति, काव्यगुण आदि को सदैव महत्व देते रहे हैं। हरियाणा बाल साहित्य को ओपी चौहान का योगदान विषय पर कुरुक्षेत्र विवि में एमफिल की जा चुकी है।

उनका कहना है कि स्वाध्याय मानव को संस्कृति और संस्कारों से जोड़ता है समुचित दिशा देता है अतः युवाओं को स्वाध्याय अपनाना चाहिए। समाज और संस्कृति को जीवंत रखने के लिए साहित्यकारों व लेखकों को भी इसी आधार पर श्रेष्ठ साहित्य सृजन करना आवश्यक है, जो मानव जीवन का मूल उद्देश्य भी है।

प्रकाशित पुस्तकें

ओपी चौहान अभी तक तीन दर्जन पुस्तकें लिख चुके हैं, जिनमें प्रकाशित 15 पुस्तकों में हिंदी भाषा की कृतियों में कविता संग्रह-प्रथम प्रपात, अमृत प्याला जिन्दगी, प्रबन्ध काव्य-जिन्दगी, विनोद वार्ताएं-श्रीमती ने पत्र लिखा, बाल साहित्य में बाल गीत माला गर्वित, अर्पिता, हर्ष बाल गीत के अलावा नानी की कहानियां और बाल निबन्ध-वाटिका सुर्खियों में हैं। उनके हरियाणवी भाषा की रचनाओं में वीराख्यान प्रबन्ध काव्य-मेवाड़ का शेरः महाराणा प्रताप, भजन संग्रह-आराधना के गीत और गजल संग्रह-ऐसे मन बहलाया जाए पाठकों के बीच हैं।

ओम प्रकाश चौहान

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा साहित्य अभिनंदन योजना 2022 के पं. माधव प्रसाद मिश्र सम्मान से अलंकृत वरिष्ठ साहित्यकार ओम प्रकाश चौहान को अब तक अनेक पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्हें साहित्य सारथी सम्मान, इन्दिरा-स्वरुप स्मृति साहित्य श्री सम्मान, उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान के अलावा शैक्षणिक, समाजिक एवं सांस्कृति क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अनेक पुरस्कार व सम्मान के अलावा प्रशस्ति पत्र, प्रशंसा पत्र और अन्य प्रमाण पत्रों से भी नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :ओम प्रकाश चौहान
जन्मतिथि : 6 मार्च, 1954
जन्म स्थान : मोठ करनैल, हिसार (हरियाणा)
शिक्षा : एम.ए.(हिंदी), एम.फिल., प्रभाकर, संगीत भूषण
संप्रति : सेवानित्त शिक्षक, कवि, रचनाकार, साहित्यकार, समाजसेवी

द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल

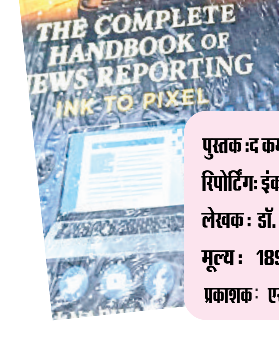

पुस्तक : द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज़ रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल
लेखक : डॉ. अनुज नरवाल 'रोहतकी'
मूल्य : 1895 रुपये
प्रकाशक : एसएसडीएन पब्लिशर्स, नई दिल्ली

पुस्तक समीक्षा | शशि कांत चौहान

द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज़ रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल" डॉ. अनुज नरवाल 'रोहतकी' द्वारा लिखित एक व्यापक और समृद्ध पुस्तक है, जो पत्रकारिता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह पुस्तक पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों से लेकर डिजिटल युग की नवीनतम तकनीकों तक के विस्तृत पहलुओं को समेटती है।

लगभग दो दशकों के अनुभव के साथ, डॉ. नरवाल ने इस पुस्तक में पत्रकारिता के परंपरागत और आधुनिक दोनों स्वरूपों को संतुलित ढंग से प्रस्तुत किया है। यह पुस्तक न केवल पत्रकारिता के छात्रों, बल्कि शोधकर्ताओं, शिक्षकों और पेशेवर पत्रकारों के लिए भी एक अमूल्य संसाधन है। पुस्तक को दस अध्यायों में विभाजित किया गया है, जो पत्रकारिता के विभिन्न आयामों को व्यवस्थित रूप से कवर करते हैं। प्रत्येक अध्याय में सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग का संतुलन बनाया गया है। पुस्तक की सामग्री में निम्नलिखित प्रमुख विषय शामिल हैं। इस अध्याय में समाचार की अवधारणा, संरचना, और मूल्यों के साथ-साथ प्रिंट, रेडियो, टेलीविजन, और डिजिटल मीडिया के लिए लेखन और संपादन तकनीकों को समझाया गया है। यह पत्रकारिता के नैतिकता और समकालीन मुद्दों पर भी प्रकाश डालता है। समाचार स्त्रोतों, सूचना संग्रह के उपकरणों, और स्त्रोतों के विकास की तकनीकों पर विस्तृत चर्चा की गई है। 5 डब्ल्यू और 1एच की संरचना और इनवर्टेड पिरामिड पैटर्न जैसे लेखन ढांचों को समझाया गया है।अपराध, अदालत, शिक्षा, खेल, मौसम, और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने की तकनीकों को रेखांकित किया गया है। साक्षात्कार, प्रेस कॉन्फ्रेंस, और तत्काल कवरेज जैसे विषयों पर गहन जानकारी दी गई है। सत्य, निष्पक्षता, और विविधता जैसे पत्रकारीय मूल्यों के साथ-साथ लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका पर चर्चा की गई है। मीडिया साक्षरता और कन्वर्जेंस जैसे आधुनिक विषयों को शामिल किया गया है। येलो जर्नलिज्म, खोजी पत्रकारिता, और डेटा पत्रकारिता जैसे क्षेत्रों की गहन पड़ताल की गई है। डॉ. नरवाल ने इस पुस्तक के माध्यम से नई पीढ़ी के पत्रकारों को संवेदनशील, सजग, और साहसी बनने के लिए प्रेरित किया है। यह पुस्तक हर उस व्यक्ति के लिए अनिवार्य है, जो पत्रकारिता को समझना और अपनाना चाहता है। लेखक इस पुस्तक के लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

किसानों को खाद के साथ जबरन थोप रहे दवाई

राजौंद। किसान मजदूर यूनियन के प्रवक्ता सुभाष बडसीकरी ने बताया की खाद के साथ जबरन दवाई दी जा रहे है। जिससे कृषि विभाग के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजौंद और कलायत में अभी 70 प्रतिशत खाद की जरूरत कृषि विभाग अधिकारी दावे करते हैं कि 90 प्रतिशत खाद किसानों तक पहुंच चुकी है। किसान नेता ने कहा की यह सरासर झूठ है। उन्होंने कहा कि दो दिन के अंदर सरकार सोसाइटी में खाद भेजने का कार्य शुरू करें वर्ना किसान मजदूर आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

बेसबाल चैंपियनशिप मे लड़कियों ने मारी बाजी

कैथल । गांव प्योदा कैथल में चल रही 38वीं हरियाणा स्टेट बेसबाल चैंपियनशिप मे लड़कियों मे कैथल की टीम प्रथम रही और दूसरा स्थान फ़तेहबाद ने हासिल किया। इस अवसर पर महासचिव अरविंद कुमार, नवीन कौशिक टेक्निकल चेयरमैन फ़रीदाबाद से,महावीर टेक्निकल मेंबर, मंजीत दहिया ओबजरवर गुरमीत बॉक्सिंग कोच, संदीप डीपी पहुंचे। अरविंद कुमार ने बताया की इस प्रतियोगिता मे 5 अंतर राष्ट्रीय खिलाडी खेल रहे है। गांव से सरपंच प्रतिनिधि बलराज, कुलदीप शर्मा, पूजा और ज्योति नर्सरी कोच, नरेश पहलवान पंचायत सचिव, केशा राम स्कूल प्रबंधन कमेटी ने टूर्नामेंट करवाने मे अहम भूमिका निभाई।

महिला समागम में उमड़ी श्रद्धा की लहर

गुहला चीका। स्थित निरंकारी सत्संग भवन, खरोदी रोड पर ब्रांच स्तर का महिला समागम श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मंच संचालन बहन रितिका और ईशा ने सफलतापूर्वक किया। समागम में बठोई, पंजाब से आई बहनों ने सुंदर कव्वाली प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिभाव से भर दिया। महिलाओं द्वारा एक प्रेरणादायक नाटक भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें भक्ति का संदेश दिया।

एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ की बड़ी सफलता, दो आरोपी गिरफ्तार

खेतों में चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

दो आरोपियों की गिरफ्तारी से चोरी की 5 वारदाते सुलझाने में सफलता हासिल हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

खेतों से चोरी करने वाले दोनों आरोपी पुलिस गिरफ्त में फोटो : हरिभूमि

एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा एसपी आस्था मोदी के निर्देशानुसार कड़ी कार्रवाई करते हुए खेतों से सामान चोरी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करके उल्लेखनीय सफलता हासिल की गई है। एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा 2 आरोपियों को काबू कर लिया गया। जिनकी गिरफ्तारी से चोरी की 5 वारदाते सुलझाने में सफलता हासिल हुई है। पुलिस प्रवक्ता प्रवीन श्योकंद ने जानकारी देते हुए बताया कि खरक पांडवा निवासी गजे सिंह की शिकायत अनुसार खरक पांडवा से सजुमा रोड़ पर स्थित उसके खेत कोठा से अज्ञात व्यक्ति द्वारा 10 जुलाई की रात 10 कट्टे यूरिया, 12 कट्टे डीएपी, फीता, सिलेंडर चूल्हा, 2 चारपाई, एक छत पंखा चोरी कर लिया गया। जिस बारे थाना कलायत में मामला दर्ज किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि खेतों से सामान चोरी की कई वारदात के मध्यनजर एसपी आस्था मोदी द्वारा एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ को जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने के आदेश दिए गए थे। आदेशों पर खरा उतरते हुए एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एसआई शुभकरण, एएसआई अशोक कुमार, एचसी ईशम सिंह, एसपीओ राजेश व अमित, होमगार्ड विकास व मनोज की टीम द्वारा करनाल रोड़ कैथल से आरोपी जिला जींद के गांव शाहपुर निवासी प्रदीप कुमार तथा सीवन निवासी शमशेर सिंह उर्फ बबलू को काबू कर लिया गया। आरोपियों से की गई व्यापक पूछताछ दौरान आरोपियों ने उपरोक्त चोरी के अतिरिक्त 4 अन्य चोरी की वारदात करनी कबुल की। जो गांव दिवाल निवासी नरेश की शिकायत अनुसार 9 जुलाई की रात उसके खेत कोठा से अज्ञात द्वारा सिलेंडर-चूल्हा, डीजल तेल, चारपाई, पंखा, 35 लीटर दवाई, बैटरी, 40 फुट तार चोरी कर ली गई थी। जिस बारे थाना सदर में मामला दर्ज है। एक अन्य मामले में सजुमा निवासी जयपाल की शिकायत अनुसार 13 जुलाई की रात उसके खेत कोठा से अज्ञात द्वारा गैस सिलेंडर चूल्हा व एक मोबाइल फोन चोरी कर लिया गया। जो थाना कलायत में मामला दर्ज है। एक अन्य मामले में नरड़ निवासी रामचंद्र की शिकायत अनुसार 8 जुलाई को उसके खेत कोठा से अज्ञात द्वारा 10 फुट तार, 10 कट्टे यूरिया, फराटा, दवाइयां, स्प्रे की टंकी चुरा ली गई, जो थाना तितरम में मामला दर्ज है। 5वें मामले में जिला करनाल के गांव बिजना निवासी रिंकू की शिकायत अनुसार 23 जून को गांव बिजना से उसकी बाइक अज्ञात व्यक्ति चुरा ले गए। जो थाना सदर करनाल में मामला दर्ज है। एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा एसपी आस्था मोदी के निर्देशानुसार कड़ी कार्रवाई करते हुए खेतों से सामान चोरी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करके उल्लेखनीय सफलता हासिल की गई है।आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त पिकअप गाड़ी, 32 कट्टे यूरिया, एक चोरीशुदा बाइक, 3 गैस सिलेंडर, 2 पंखे तथा करीब 50 फुट तार बरामद की गई है।

पकड़े गए दोनों आरोपी दोस्त

दोनो आरोपी दोस्त है तथा इकट्ठे मिलकर रात के समय सड़क किनारे लगने वाले खेत कोठा को अपना टारगेट बनाते थे। दोनो आरोपियों पर पहले भी चोरी के मामले दर्ज है। दोनो आरोपी न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिए गए।

नशा मुक्ति अभियान को लेकर जांच करते पुलिस कर्मचारी फोटो : हरिभूमि

नशा तस्करों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई से खलबली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

जिला पुलिस द्वारा /"नशा मुक्त हो जिला/" अभियान के अंतर्गत नशे के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए संदिग्ध नशा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी के दिशा-निर्देशन व डीएसपी कुलदीप बेनीवाल की निगरानी में चलाए गए इस अभियान के तहत आमजन से सीधा संपर्क स्थापित करके संदिग्ध नशा तस्करों की पहचान की गई है। रविवार को इस अभियान के तहत थाना गुहला, पूंडरी, कलायत व शहर कैथल में अलग अलग विभिन्न 20 टीमों का गठन किया गया, जिनमें करीब 200 पुलिस कर्मचारी व अधिकारी शामिल थे। इन टीमों ने थाना गुहला, पूंडरी, कलायत व शहर कैथल अंतर्गत एक साथ लगभग 200 घरों की गहनता से तलाशी ली और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी। पुलिस टीमों ने गांवों में जाकर आमजन, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों से बातचीत की, जिससे संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने में मदद मिली। इस दौरान पुलिस टीमों द्वारा आमजन सहित युवाओं को नशे की लत से दूर रहने के लिए जागरूक भी किया गया। एसपी आस्था मोदी ने स्पष्ट किया कि जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए इस तरह की कार्रवाई निरंतर जारी रहेंगी। इस अभियान का उद्देश्य मुख्य रूप से नशे का कारोबार करने वालों पर शिकंजा कसना है, जिला पुलिस का उद्देश्य कैथल जिला को नशा मुक्त बनाना है। आमजन से भी अपील की गई है।

प्रदीप व फकीर गर्ग ने सुनाए सदाबहार गीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। कार्यक्रम में जन्मदिन मनाते वरिष्ठ नागरिक। फोटो : हरिभूमि

सीनियर सिटीजन एसोसिएशन कैथल की मासिक बैठक को वरिष्ठ नागरिक भवन में प्रधान रामनारायण रावल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मंच संचालन एसोसिएशन के महासचिव रोहित शर्मा ने किया। बैठक का शुभारंभ तीन बार गायत्री महामंत्र के उच्चारण व प्रार्थना के साथ किया गया। सर्वप्रथम संस्था के सदस्य कैप्टन एम सी मनचंदा के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रख कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजली दी गई। आर पी सिंगला द्वारा कावड़ यात्रा पर उठाए गए विषय पर चर्चा की गई। टेक चंद वर्मा ने भजन सुना कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। सीताराम शर्मा व भोलाराम ने चुटकुले व मनोरंजक कहानी सुनाकर सभी सदस्यों का मनोरंजन किया। प्रदीप शर्मा व फकीर चंद गर्ग ने पुराने गाने सुनाकर पुराने समय के मधुर गीतों की याद ताज़ा कर दी। महासचिव रोहित शर्मा ने श्रावण मास में शिवजी पर कावड़ चढ़ाए जाने बारे भगवान आशुतोष शिव व लंका नरेश रावण की एक पौराणिक कथा के माध्यम से विस्तार पूर्वक बताया व कैथल जिले में कावड़ यात्रा के संबंध में व्यवस्था के लिए प्रशासन व सामाजिक संस्थाओं की प्रशंसा की। सुरेन्द्र हरित ने युनान में पांचवी-छठी शताब्दि के सम्राट की एतिहासिक सत्य घटना पर एक उपदेशात्मक और शिक्षाप्रद प्रसंग सुनाया। रोहित शर्मा, बनारसी दास यादव व सीताराम शर्मा के माह जुलाई में जन्मदिन आने पर पुष्प माला पहना कर व स्मृति चिह्न द्वारा सम्मानित करके उनके दीर्घायु व स्वस्थ होने की कामना की गई। प्रधान रामनारायण रावल ने उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद किया व अनुरोध किया कि प्रदूषण से बचने के लिए उचित स्थानों पर अपने माता-पिता व देश के नाम पर पौधरोपण करना चाहिए। इस अवसर पर कैप्टन रविदत्त शर्मा, कृष्ण लाल चौहान, के एल रंगा , प्रदीप शर्मा सुंदरलाल चावला, ज्ञानचंद भल्ला, सतपाल धीमान, बीडी शर्मा, विनोद गर्ग, ए एल क्वात्रा, वीर भान गर्ग व जगदीश कालड़ा उपस्थित थे।

मंदिर का माहौल बना भक्तिमय

हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ व कीर्तन हुआ, भजनों पर झूमे भक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

सुंदरकांड पाठ एवं भजन कीर्तन के दौरान महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

भारत विकास परिषद फतेहपुर-पूंडरी शाखा की ओर से जुलाई माह का सुंदरकांड पाठ एवं भजन कीर्तन को हनुमान मंदिर नजदीक बी.पी.आर. स्कूल में श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. मनीषा मंगल पत्नी डॉ. मनोज मंगल ने किया। भजन मंडली के सदस्यों ने अत्यंत मधुर भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया और मंदिर परिसर में रौनक छा गई। कार्यक्रम में परिषद की महिला सदस्यों ने मिलकर सुंदरकांड का सस्वर पाठ किया। पाठ व कीर्तन के उपरांत सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस धार्मिक आयोजन में लगभग 85 महिलाएं उपस्थित रहीं, जिनमें प्रमुख रूप से महिला सहभागिता प्रमुख निधि मोहन, डॉ. मनीषा मंगल, सुनीता गर्ग, बबीता सिंगला, रश्मि गर्ग, नेहा, सुनीता उप्पल, ममता गोयल, अनु जिंदल, रेखा, वीणा खुराना, ममता वर्मा आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा। इस अवसर पर महिला सहभागिता प्रमुख निधि मोहन ने बताया कि भारत विकास परिषद की महिला इकाई द्वारा पिछले डेढ़ वर्ष से हर माह नियमित रूप से सुंदरकांड पाठ और कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है।

रक्तदान वह सौभाग्य है जो हर व्यक्ति को करना चाहिए : सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

सीवन । रक्तदान शिविर मे रक्तदाता को बैज लगाकर सम्मानित करते नगरपालिका अध्यक्षा हेमलता सैनी फोटो : हरिभूमि

लायंस क्लब कैथल आइकोनिक व पंजाबी विकास सभा कैथल के संयुक्त तत्वावधान में सीवन के रामा आश्रम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीवन नगरपालिका की अध्यक्षा हेमलता सैनी रही। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर की शुरुआत की और रक्तदाताओं को बैज लगाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर लायंस क्लब के प्रधान लायन राकेश चुघ और पंजाबी विकास सभा के प्रधान अशोक अरोड़ा ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। अपने संबोधन में हेमलता सैनी ने कहा कि रक्तदान वह सौभाग्य है जो हर स्वस्थ व्यक्ति को निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब हम रक्तदान करते हैं तो हम केवल रक्त नहीं, किसी का जीवन, किसी मां की उम्मीद, किसी पिता का सहारा और किसी बच्चे की मुस्कान लौटा रहे होते हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना पनपती है। लायन राकेश चुघ ने बताया कि क्लब गरीब बच्चों की शिक्षा, जरूरतमंद परिवारों की कन्याओं के विवाह, स्वास्थ्य शिविर और अन्य जनसेवा कार्यों में लगातार सक्रिय रहता है। अशोक अरोड़ा ने कहा कि पंजाबी विकास सभा द्वारा वर्ष भर समाजहित में कई स्थाई और अस्थाई कार्यक्रम चलाए जाते हैं। लायन गुलशन चुघ ने जानकारी दी कि शिविर में कुल 48 रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बैठक के दौरान प्रधान रामरूप बाले व अन्य सदस्य। फोटो : हरिभूमि

गुरु दक्ष प्रजापति जयंती महोत्सव को लेकर बैठक आयोजित

पूंडरी । फतेहपुर-पूंडरी में गुरु दक्ष प्रजापति जयंती धूमधाम से मनाने को लेकर प्रजापति धर्मशाला फतेहपुर में एक विशेष बैठक बुलाई गई, जिसकी अध्यक्षता सतबीर सिंह ने की। बैठक में कमेटी के सभी सदस्यों ने बढ़कर भाग लिया। प्रधान रामरूप बाले ने बताया कि 3 अगस्त को महाराजा दक्ष प्रजापति महाराज जयंती बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। इस कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे। इस दौरान कार्यक्रम में पूर्व चेयरमैन सतबीर सिंह वर्मा व हलका विधायक सतपाल जांबा भी विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि बैठक में जयंती को लेकर विचार-विमर्श किया गया। नरेश कुमार ने बताया कि जयंती में गायक कलाकारों को भी आमंत्रित किया जाएगा ताकि समाज के लोगों को गुरु दक्ष प्रजापति के बारे में भजनों के माध्यम से बताया जा सके। प्रधान रामरूप ने बताया कि दक्ष जयंती को लेकर समाज में काफी उत्साह है और समाज के सभी लोगों को निमंत्रण दिया जाएगा। कमेटी संरक्षक मास्टर अर्जुन सिंह ने बताया कि हलके के वरिष्ठ नेता सतबीर भाणा को भी जयंती में आमंत्रित किया जाएगा। इस मौके पर नरेश कुमार, सतबीर सिंह, रामचंद्र, ओमप्रकाश, कशिश, रामपाल, दीपक, मुकेश आदि उपस्थित रहे।

पूंडरी श्री जयराम आदर्श गोशाला में पशुधन विभाग अध्यक्ष का दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी। पूंडरी गौशाला में गायों को गुड़ खिलाते चेयरमैन धर्मबीर मिर्जापुर।

पूंडरी स्थित श्री जयराम आदर्श गौशाला में आज पशुधन विभाग हरियाणा के अध्यक्ष धर्मवीर मिर्जापुर ने दौरा किया। इस अवसर पर गौशाला की प्रबंधक समिति के प्रधान ओमप्रकाश गोलन के नेतृत्व में सभी सदस्य उपस्थित रहे। अध्यक्ष धर्मवीर मिर्जापुर ने गौशाला का निरीक्षण करते हुए गौसेवा की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया और समिति द्वारा गोवंश के संरक्षण हेतु की जा रही आधुनिक व्यवस्थाओं की सराहना की।

उन्होंने कहा कि पूंडरी गौशाला में जिस प्रकार से गोवंश की देखभाल, चारा, चिकित्सा और शुद्ध वातावरण की व्यवस्थाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं, वह अन्य गौशालाओं के लिए भी एक प्रेरणा हैं। उन्होंने गोवंश को गुड़ व चारा भी खिलाया और स्वयं भी कुछ समय गोवंश के बीच बिताया। मिर्जापुर ने कहा कि प्रदेश सरकार गोवंश के संरक्षण व संवर्धन को लेकर गंभीर है और इसके लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। हरियाणा सरकार प्रदेश की सभी गौशालाओं को आर्थिक सहायता, चारा अनुदान, टीकाकरण, चिकित्सा सेवाएं और आधारभूत ढांचे के विकास के लिए सहायता प्रदान कर रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि जल्द ही राज्य में गोशालाओं के लिए एक एकीकृत ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता और सहायता वितरण में सुविधा हो।इस अवसर पर प्रबंधक समिति के प्रधान ओमप्रकाश गोलन, चमेल सिंह, लाला धर्मपाल, रामप्रकाश गोगी, रमेश गोलन, विनोद बंसल, भगवानदास, महेंद्र गोलन, माया गोलन, हिशम सिंह, राजेश सरपंच मुन्नारेडी तथा राजेश मौजूद रहे।

कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने शुरू की नई पहल

प्रदेश के पांच आईटीआई में चलाई जाएंगी एनएसएस यूनिट

राजकीय आईटीआई के विद्यार्थियों को पढाया जाएगा सामाजिक सेवा का पाठ : सतीश मच्छाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल । राजकीय आईटीआई कैथल का भवन फोटो : हरिभूमि

अब राजकीय आईटीआई के विद्यार्थियों को भी सामाजिक सेवा का पाठ पढ़ाया जाएगा। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग द्वारा नई पहल करते हुए इस साल से प्रदेश के पांच आईटीआई में एनएसएस यूनिट खोलने का निर्णय लिया है। निदेशालय द्वारा जारी पत्र के अनुसार ये एनएसएस यूनिट राजकीय आईटीआई कैथल, अंबाला शहर, सोनीपत, करनाल और यमुनानगर में चलाए जाएंगे।

विभाग द्वारा जारी पत्र के अनुसार सभी संबंधित जिला मुखिया को आदेश दिए गए हैं कि वह अपने-अपने संस्थान से इसके लिए एनएसएस अधिकारी का चयन करते हुए संस्थान में 2 वर्षीय कोर्स करने वाले 110 विद्यार्थियों का एनएसएस यूनिट के तहत पंजीकरण करवाएं।

एनएसएस के तहत होंगे कार्यक्रम

सतीश मच्छाल

राजकीय आईटीआई कैथल के प्रधानाचार्य एवं जिला नोडल अधिकारी सतीश मम्छाल ने बताया कि निदेशालय के आदेश अनुसार राजकीय आईटीआई कैथल में एनएसएस यूनिट चलाने के लिए शमशेर सिंह वर्ग अनुदेशक को एनएसएस अधिकारी बनया गया है। उन्होंने बताया कि संस्थान में वर्तमान में दाखिला प्रक्रिया जारी है जैसे ही दाखिला प्रक्रिया समाप्त होती है तो 2 वर्षीय कोर्स में दाखिला लेने वाले 110 विद्यार्थियों का एनएसएस के तहत पंजीकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एनएसएस यूनिट के तहत विद्यार्थियों को राष्ट्रभक्ति व समाजसेवा का पाठ पढ़ाया जाएगा ताकि विद्यार्थी एक जिम्मेवार नागरिक बनकर देशसेवा में योगदान दे सकें।

बता दें कि इससे पूर्व जिले के विभिन्न राजकीय और प्राइवेट आईटीआई में एनएसएस यूनिट चलाए जा रहे हैं। एनएसएस यूनिट के तहत विद्यार्थियों में राष्ट्र और देश सेवा के प्रति जज्बा पैदा किया जाता है। ये विद्यार्थी जिला व प्रदेश स्तर पर होने वाले विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों व अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी रहते हुए देश के निर्माण में अहम योगदान देते हैं। एनएसएस की भूमिका को देखते हुए विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग द्वारा आईटीआई में भी एनएसएस यूनिट चलाने का फैसला लिया गया है। बता दें कि विभाग द्वारा एनएसएस यूनिट चलने को लेकर जिला एनएसएस अधिकारी से संबंधित से स्थापित करते हुए एक कमेटी का गठन करने के बारे में आदेश जारी किए गए हैं ताकि एनएसएस यूनिट को बेहतरीन तरीके से चलाया जा सके।

कैथल । विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते प्राध्यापक। फोटो : हरिभूमि

स्नात्तकोत्तर कक्षाओं में एडमिशन को लेकर प्रक्रिया हुई शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

आरकेएसडी महाविद्यालय कैथल में स्नात्तकोत्तर कक्षाओं में दाखिला प्रक्रिया में महाविद्यालय ने 8 स्नात्तकोत्तर कक्षाओं-अंग्रेजी, हिंदी, राजनीति शास्त्र, गणित, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, पीजीडीसीए एवं पीजीडी योग में अभी तक 46 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

	सीटें	आवेदन
एम ए अंग्रेजी	50	07
एम ए हिंदी	50	07
एम ए राजनीति विज्ञान	50	13
एम एस सी गणित	50	02
पीजीडी योगा	40	01

सांध्यकालिन सत्र

एम ए अर्थशास्त्र	40	05
एम काम	72	03
एम ए अंग्रेजी	40	03
एम ए राजनीति विज्ञान	44	04
पीजीडीसीए	40	01

खबर संक्षेप

श्री हर कृष्ण साहिब जी दा पावन दिवस मनाया गया

नरवाना। प्रबंधक कमेटी एवं संगत के सहयोग से श्री गुरुद्वारा टिकाना बाबा बंदा सिंह बहादुर पंजाबी चौक मे सिखों के आठवें गुरु धन श्री हरकृष्ण साहिब जी का पावन पर्व बड़े हर्षल्लास के साथ मनाया गया! गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथि सरदार बलिहार सिंह जी ने अपनी मधुर वाणी के द्वारा सुन्दर.सुन्दर शब्दों से गुरु जी के जीवन पर प्रकाश डाला एवं शब्द कीर्तन के माध्यम गुरु जी के गुरु जी का गुणगान भी किया इस के उपरांतए अरदास एवं सेवकों के द्वारा श्री गुरु घर मे श्रदांनुसार लाया गया प्रशाद संगत मे वितरित किया गया।

जलघर में पानी न पंहूचने के कारण सारे तालाब सूखे

राजौंद। गांव किठाना की नथवान पट्टी जलघर में बरसात के दिनों मे भी पानी नहीं है। जिसका बड़ा कारण जींद रोड़ राजौंद डिस्ट्रीब्यूट्री से जलघर तक बिछाई गई पाइप लाइन पूर्ण रुप से जर्जर हो चुकी है।जिसकी मांग 21 जनवरी 2024 को मुख्य मन्त्री किठाना आगमन पर भी की गई थी और मुख्यमन्त्री नायब सैनी ने ब्राम्हण समाज व भगवान परशुराम सेवा समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उपरोक्त मांग को पूरा करने का आश्वासन दिया था।

राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए आवेदन 31 तक

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बढ़ावा देने के लिए भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारए सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार प्रदान किया जाता है। वर्ष 2025 के लिए गृह मंत्रालय द्वारा ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आगामी 31 जुलाई तक अवार्ड पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। डीसी ने राष्ट्रीय एकीकरण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों, संस्थाओं व संगठनों से नामांकन के लिए आह्वान किया। सरकार ने सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर यह पुरस्कार शुरू किया है। यह पुरस्कार विशिष्ट और प्रेरणादायक व्यक्तियों को पहचान प्रदान करता है ताकि राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बढ़ावा दिया जा सके।

गांवों का विकास भी किया जा रहा है शहरी तर्ज पर

नरवाना। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने विधानसभा क्षेत्र के गांव सच्चा खेड़ा में धन्यवादी दौरे के दौरान विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। उन्होंने शनिवार देर सायं गांव सच्चा खेड़ा में लगभग 5 करोड़ 25 लाख के विकास कार्यों की घोषणा करते हुए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

सीआरएसयू में रिजल्ट जारी न होने से परेशानी

जींद। सीआरएसयू के रिजल्ट जारी नहीं होने से विद्यार्थियों को समस्या हो रही है। सीआरएसयू में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जींद इकाई के अध्यक्ष राहुल कक्कड़ ने बताया कि जींद यूनिवर्सिटी से संबंधित कॉलेजों को विद्यार्थियों के यूजी नॉन एनईपी कोर्स के 2, 4 समेस्टर के री एग्जाम के रिजल्ट अभी तक भी जारी नहीं हुए हैं। जबकि ज्यादातर यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों के एडमिशन प्रक्रिया शुरू हो गई है।

जींद में कोई औद्योगिक ईकाई या अस्पताल खोलने को लेकर बच्चों से करेंगी बात

मुख्यमंत्री नायब सैनी क्राइम को लेकर हुए सख्त: विधायक सावित्री जिंदल

शहीदों को भी किया नमन जिन्होंने समाज के निर्माण में योगदान दिया : विधायक

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जींद। डिप्टी स्पीकर व उनकी मां से मिलते हुए हिसार विधायक सावित्री जिंदल। फोटो : हरिभूमि

हिसार की विधायक सावित्री जिंदल ने कहा कि वो जींद में अपनों के बीच आई हैं और यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। जिंदल परिवार लिजवाना से जुड़ा हुआ है। विकास को लेकर वो हमेशा प्रयासरत रहती हैं। शुरू में जब हिसार से चुनाव लड़ा तो वहां हिसार के लिए मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध करवाने का प्रयास किया। वहां सीवरेज व्यवस्था चरमराई हुई थी। इसको ठीक करवाने का प्रयास किया। हिसार की विधायक सावित्री जिंदल रविवार को कृष्णा कालोनी में साहिल के आवास पर पहुंची। यहां पत्रकारों से बातचीत में हिसार की विधायक सावित्री जिंदल ने क्राइम को लेकर कहा कि क्राइम नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री नायब सैनी क्राइम को लेकर पूरा ध्यान रख रहे हैं। उनका प्रयास है कि क्राइम पर रोक लगे और किसी भी सूरत में क्राइम न हो। जींद में कोई औद्योगिक ईकाई या अस्पताल खोलने को लेकर उन्होंने कहा कि इस बारे में वो अभी कुछ नहीं कह सकते। वो अपने बच्चों से बात करेंगी। क्योंकि जींद भी उनका है। इस मौके पर श्रीचंद जैन, जयभगवान गोयल, महेश बंसल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। इसके बाद विधायक सावित्री जिंदल अग्रवाल धर्मशाला में पहुंची और यहां पर बैंड बाजे के साथ भव्य स्वागत किया गया। यहां पर मुख्य रूप से राकेश सिंघल प्रधान अग्रवाल वेलफेयर सोसायीटी, जयभगवान गोयल पूर्व सदस्य हरियाणा पब्लिक सर्विस कमिशन, सतीश गर्ग, महावीर कंप्यूटर आदि मौजूद रहे। विधायक सावित्री जिंदल ने कहा कि मुझे समाज की सेवा करने का मौका मिला है। हमारे समाज में दुख सुख में साथ निभाने की परंपरा है। वो उन शहीदों को भी नमन करती हूं जिन्होंने हमारे समाज के निर्माण में योगदान दिया है। स्व. मांगेराम गुप्ता को वो श्रद्धांजलि देती हैं जिन्होंने जींद के विकास में सहयोग दिया है। वो लाल रामेश्वर दास, महावीर कंप्यूटर, श्रीचंद जैन का मान सम्मान करती हूं जिनके घर स्व. ओमप्रकाश जिंदल का आना-जाना रहा है। उन्होंने अग्रवाल वेलफेयर सोसाइटी को 51 लाख रुपये देने की घोषणा की। इसके बाद हिसार विधायक सावित्री जिंदल हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा के आवास पर पहुंची और जलपान लिया।

जींद। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को भगवान शिव की मूर्ति भेंट करते हुए प्रदेश महामंत्री अर्चना गुप्ता साथ में जिला महामंत्री डा. पुष्प तायल। फोटो : हरिभूमि

प्रदेश के हर वर्ग व हर व्यक्ति का सर्वांगिण विकास चाहती है भाजपा सरकार: डॉ. पुष्पा

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

भारतीय जनता पार्टी का मूल उद्देश्य हर वर्ग और हर व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करना हैं और इसी दिशा में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी लगातार जनहित के कार्य कर रहे हैं। यह बात भाजपा जिला महामंत्री डा. पुष्पा तायल ने कही। डा. पुष्पा तायल ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हाल ही में आयोजित रैली के माध्यम से विकास का पिटारा खोलकर करोड़ों रुपये की सौगात देकर जुलाना हल्के के लोगों को एक नई उम्मीद दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल राजनीति नहीं करती बल्कि सेवा, विकास और समर्पण की भावना के साथ काम करती है। मुख्यमंत्री सैनी द्वारा घोषित परियोजनाएं न केवल बुनियादी ढांचे को मजबूती देंगी बल्कि रोजगार और सामाजिक कल्याण को भी नया आयाम देंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हरियाणा में विकास की जो रफ्तार शुरू की थीए उसे नायब सैनी ने और तेज कर दिया है। डा. पुष्पा तायल ने आगे कहा कि हरियाणा की बेटी और वर्तमान में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी राजधानी दिल्ली में विकास की नई मिसाल कायम कर रही हैं। उनकी कार्यशैली और जनसेवा का जज्बा युवा महिलाओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने दिल्ली के नागरिकों के हित में अनेक योजनाएं शुरू की हैं। जिनसे आम जनता को सीधा लाभ मिल रहा हैं। इसके साथ ही डा. तायल ने भाजपा की प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉण गुप्ता प्रदेश की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए निष्ठा और प्रतिबद्धता से कार्य कर रही हैं। उनके नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण अभियान को जमीन पर सफलतापूर्वक उतारा गया है। डा. पुष्पा तायल ने कहा कि भाजपा का नेतृत्व हर स्तर पर विकास और सामाजिक उत्थान की दिशा में समर्पित है। महिला नेताओं की सक्रिय भागीदारी पार्टी को और भी मजबूत बना रही है।

श्रद्धालुओं की सेवा के लिए बांटा प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जींद। श्रद्धालुओं में चावल व छोलों का प्रसाद वितरित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पटियाला चौक रेलवे रोड स्थित आहूजा मेडिकल हाल के सामने रविवार को सावन माह में श्रद्धालुओं की सेवा को लेकर मंकी सेवा वैलफेयर सोसायटी द्वारा चावल व छोलों का प्रसाद वितरित किया गया।

प्रसाद तैयार करने में समिति सदस्यों कार्तिक, सचिन आहूजा, मनोज वधवा, नवीन, रणजीत, शिवम, मानव, मुनीष, हितेश, संजय व बलराम ने अहम भूमिका निभाई। समिति सचिव मनोज वधवा ने बताया कि सावन माह चला हुआ है और आए दिन रेलवे रोड से होकर कावड़िये कावड़ लेकर गुजरते हैं। समिति सदस्यों ने अपनी जेब खर्ची से रुपये एकत्रित कर चावल व छोलों का प्रसाद वितरित करने का निर्णय लिया। समिति सदस्यों ने बताया कि सावन माह में शिव भक्त सात्विक भोजन का सेवन करते हैं।

जो भक्ति और शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। इसके साथ ही भूखों का पेट भरने जैसा पुण्य कोई और नही हो सकता है।

ऐसे में कावडियों के साथ-साथ आमजन को भी छोले व चावल का प्रसाद वितरित करते हुए समिति सदस्यों ने अपना मानवता धर्म निभाया है।

हर व्यक्ति को न्याय मिलना सुनिश्चित: सैनी

- सरकार पारदर्शिता से कर रही काम, विपक्ष के पास नहीं कोई मुद्दा : डा. कृष्ण मिड्ढा
- सर्व समाज ने जींद में गर्मजोशी से किया हरियाणा राज्य आयुक्त का नागरिक अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जींद। मंच पर मौजूद डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा व कर्मवीर सैनी।

सर्व समाज की ओर से रविवार को जींद शहर के हिंदू कन्या महाविद्यालय के सभागार में हरियाणा राज्य सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी के सम्मान में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने विशिष्ठ अतिथि के रूप में शिरक्त की। इस दौरान सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ, फूलमालाओं, पगडिय़ों, शॉल, पौधे इत्यादि भेंट कर दोनों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

समारोह को मुख्य रूप से संबोधित करते हुए हरियाणा राज्य सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी ने कहा कि आरटीआई कानून के तहत जितनी भी उन्हें संवैधानिक ताकत उन्हें मिली हैए उसका ईमानदारी के साथ पूरी निष्ठा से पालन किया जाएगा और साथ ही यह भी सुनिश्चित मानकर चलिये कि उनकी कलम से हर पात्र व्यक्ति को न्याय मिलेगा। राज्य सूचना आयोग की कार्यवाही को लेकर किसी भी व्यक्ति को भटकने नहीं दिया जाएगा। कर्मवीर सैनी ने कहा कि सरकार के सर्वोच्च पदों में शुमार राज्य सूचना आयुक्त के संवैधानिक पद का जो दायित्व उन्हें सौंपा गया है, इसके लिए वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के साथ-साथ सभी समर्पित साथियों, कार्यकर्ताओं एवं आमजन का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हैं। उनके दरवाजे सभी के लिए हमेशा खुले रहेंगे। राज्य सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी ने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि वे सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का लाभ उठाने के साथ-साथ सामाजिक बुराइयों को जड़ मूल से समाप्त करने का भी प्रयास करें। क्योंकि आज नशाखोरी से समाज खोखला होता जा रहा है।

कौल मेन बाजार की समस्याओं पर चेयरमैन कर्मबीर सख्त

ढांड। जिला परिषद कैथल के चेयरमैन कर्मबीर कौल ने गांव कौल की मेन मार्केट के दुकानदारों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। चेयरमैन के बाजार पहुंचने पर दुकानदारों ने फूलमालाओं के साथ उनका भव्य स्वागत किया। बैठक के दौरान चेयरमैन ने दुकानदारों से गांव को पॉलीथीन मुक्त बनाने की अपील करते हुए कहा—जब तक हम खुद नहीं सुधरेंगे, तब तक किसी और को सुधारने की बात नहीं कर सकते। पहले हमें खुद जिम्मेदारी निभानी होगी, तभी समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा।" उन्होंने कहा कि हमें पॉलीथीन की बजाय कपड़े के थैलों का उपयोग बढ़ाना चाहिए। चेयरमैन ने यह भी घोषणा की कि यदि सभी दुकानदार सहयोग करें तो शुरुआत के छह महीनों तक वे अपने निजी कोष से कपड़े के थैले निशुल्क उपलब्ध करवाएंगे। इसके साथ ही चेयरमैन ने दुकानदारों से सुझाव भी मांगे कि बाजार को पॉलीथीन मुक्त और व्यवस्थित बनाने के लिए और क्या बेहतर उपाय हो सकते हैं। बैठक में दुकानदारों ने बाजार से जुड़ी कई समस्याएं रखीं, जिनमें वाटर कूलर, स्ट्रीट लाइट्स, सीसीटीवी कैमरे लगाने और महिलाओं व आमजन के लिए स्वच्छ शौचालयों की व्यवस्था की मांग प्रमुख रही।

यूजी कोर्स में दाखिला प्रक्रिया जारी

- फिजिकल काउंसलिंग के तहत दाखिला लेने के लिए केवल चार दिन शेष
- राजकीय महाविद्यालय में 1630 सीटों में से 1171 पर हुए दाखिले, 459 सीटें रिक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

यूजी कोर्स में दाखिले को लेकर महाविद्यालययों में दो मेरिट लिस्ट और फिजिकल काउंसलिंग के बाद भी रिक्त सीटें रह गई हैं। हालांकि लगातार फिजिकल काउंसलिंग जारी है। नौ जुलाई को फि जिकल काउंसलिंग शुरू हुई थी। 11 जुलाई से लेकर 17 जुलाई तक 100 रुपये लेट फ ीस के साथ विद्यार्थी दाखिला ले सकते थे। फि र 18 जुलाई से लेकर 24 जुलाई तक पहले वाले 100 रुपये लेट फ ीस और 100 रुपये हर रोज लेट फ ीस भर कर विद्यार्थी दाखिला ले सकेंगे। ऐसे में फिजिकल काउंसलिंग के तहत दाखिला लेने के लिए केवल चार दिन ही बचे हैं। गौरतलब है कि उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार 19 मई से लेकर 16 जून तक विद्यार्थियों को दाखिले के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किए थे। 26 जून को पहली मेरिट लिस्ट जारी हुई थी तो ज्यादातर संकायों में मेरिट लिस्ट 100 से ऊपर रही थी। पहली मेरिट लिस्ट में जिन विद्यार्थियों का नाम मेरिट लिस्ट में आया था, उसके पास 27 जून से लेकर 30 जून तक दाखिले के लिए फ ीस जमा करवाने का समय था। इसके बाद तीन जुलाई को दूसरी मेरिट लिस्ट जारी हुई थी।

महाविद्यालयों में रिक्त सीटों पर दाखिला लें छात्र

राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक ने बताया कि 18 से 24 जुलाई तक विद्यार्थियों को पहले वाले 100 रुपये लेट फ ीस और प्रतिदिन 100 रुपये लेट फ ीस के साथ दाखिला ले सकते हैं। विद्यार्थियों को चाहिए कि वह अपने मूल दस्तावेज और सत्यापित प्रति के साथ कॉलेज में पहुंचे। दो मेरिट लिस्ट के बाद भी कॉलेज में कुछ सीटें रिक्त हैं।

चौधरी रणबीर सिंह विवि में पीएचडी प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

- 25 सीटों पर 31 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन
- प्रथम मेरिट सूची सात अगस्त को होगी जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 31 जुलाई 2025 तक विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट सीआरएसयू डॉट इन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार पीएचडी प्रवेश से संबंधित विस्तृत जानकारी जैसे कि प्रवेश कार्यक्रम का शेड्यूल, फीस संरचना, विभागवार सीटों की संख्या आदि वेबसाइट पर उपलब्ध है। कुलगुरु प्रो. डा. रामपाल सैनी ने कहा कि शोध कार्य केवल ज्ञान का विस्तार ही नही बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी माध्यम है। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय का उद्देश्य है कि हम छात्रों को अनुसंधान की दिशा में उत्कृष्ट अवसर प्रदान करें। जिससे वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दें। पीएचडी कार्यक्रम के माध्यम से हम ऐसी शोध परंपरा को सशक्त बना रहे हैं, जो नवाचार, बौद्धिक स्वतंत्रता एवं सामाजिक प्रासंगिकता पर आधारित हो। इस सत्र में कंप्यूटर विज्ञान और अनुप्रयोग विभाग में छह सीटों, भौतिक विज्ञान विभाग में चार सीटों, शारीरिक शिक्षा विभाग में 13 सीटों तथा अर्थशास्त्र विभाग में दो पीएचडी सीटों पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

ऐतिहासिक मंदिर लगभग 400 वर्ष पुराना है

प्राचीन शिव मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

कैथल। नप चेयरपर्सन सुरभि गर्ग 400 वर्ष पुराने श्री प्राचीन शिव मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ करते हुए। फोटो : हरिभूमि

श्री महाकाल सेवा समिति कैथल द्वारा नगर परिषद के सहयोग से प्राचीन शिव मंदिर, केनरा बैंक के सामने, छात्रावास रोड कैथल के जीर्णोद्धार कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम नगर परिषद कैथल की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग एवं वार्ड नं. 24 के पार्षद प्रतिनिधि रजत थरेजा की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस ऐतिहासिक मंदिर की विशेषता यह है कि यह लगभग 400 वर्ष पुराना है, जो कि कई वर्षों से विरान और उपेक्षित अवस्था में पड़ा था। मंदिर की ऐतिहासिकता और धार्मिक महत्व को देखते हुए कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड द्वारा भी यहां का सेम्पल लिया गया है, जो इस स्थल की प्राचीनता की पुष्टि करता है। इस अवसर पर वार्ड नं. 8 की पार्षद श्रीमती परमजीत कौर एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री सुरेश गर्ग 'नॉच' विशेष रूप से उपस्थित रहे। श्री महाकाल सेवा समिति का प्रमुख उद्देश्य हरियाणा सरकार के सहयोग से प्राचीन शिव मंदिरों का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार कर उन्हें जनसामान्य की आस्था का केंद्र बनाना है।

कार्यक्रम में समिति के प्रमुख पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे जिनमें प्रमुख रूप से

वेद प्रकाश गर्ग (प्रधान), हिमांशु गोयल एडवोकेट (सचिव), मोहन सिंह (कोषाध्यक्ष), राहुल गर्ग (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), ईशान गोयल (मीडिया प्रभारी), बलबीर बंसल, विजय सिंगला, अजय गर्ग, कुश गोयल, मोहित दुआ, पं. सुभाष शर्मा, बिट्टू शर्मा, संजय शर्मा, रवि शर्मा, धर्म पत्रकार, मोहित गुलाटी (पत्रकार), कमल भटनागर, उषा मचल, सीमा शर्मा, पूणम सोहता, जयपाल गुप्ता, विनय गुप्ता, मनशूल गोयल, नवदीप गर्ग सहित समिति के अन्य सदस्यगण मौजूद रहे। यह आयोजन धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण एवं जनकल्याण का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करेगा।

गुर्जर भवन में जल्द होगा निर्माण

- 25 लाख रुपये का कार्य जल्द होगा शुरू
- गुर्जर भवन में स्थापना दिवस समारोह का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

कैथल। नगर परिषद चेयरपर्सन सुरभि गर्ग को सम्मानित करते गुर्जर समाज के लोग।

रविवार को गुर्जर भवन में स्थापना दिवस समारोह का आयोजन हुआ। इसमें नगर परिषद चेयरपर्सन सुरभि गर्ग मुख्यातिथि थी। अध्यक्षता पूर्व विधायक लीलाराम ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राव सुरेंद्र सिंह व भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेश गर्ग नौच, कुरुक्षेत्र गुर्जर धर्मशाला के प्रधान ऋषिपाल कसाना व पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल तंवर व पूर्व जिलाध्यक्ष मुनीष कठवाड थे। कार्यक्रम के आयोजकों ने नप चेयरपर्सन सुरभि गर्ग सहित अन्य अतिथियों को सम्मानित किया। चेयरपर्सन द्वारा हाल के निर्माण में दिए गए योगदान के लिए भी आभार जताया। चेयरपर्सन सुरभि गर्ग ने कहा कि गुर्जर धर्मशाला में 41 लाख रुपये से हाल का निर्माण कार्य चल रहा है। जल्द ही 25 लाख रुपये से भी कार्य शुरू हो जाएगा। आगे भी भवन में निर्माण कार्य को लेकर पैसों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। चेयरपर्सन ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सरकार में शहर के हर वार्डों में विकास कार्य चल रहे हैं। चौक-चौराहों के साथ-साथ विभिन्न समाज की धर्मशालाओं में भी काम चल रहे हैं। शहर में चौराहों के सौंदर्यीकरण के लिए तेजी से काम चल रहा है।